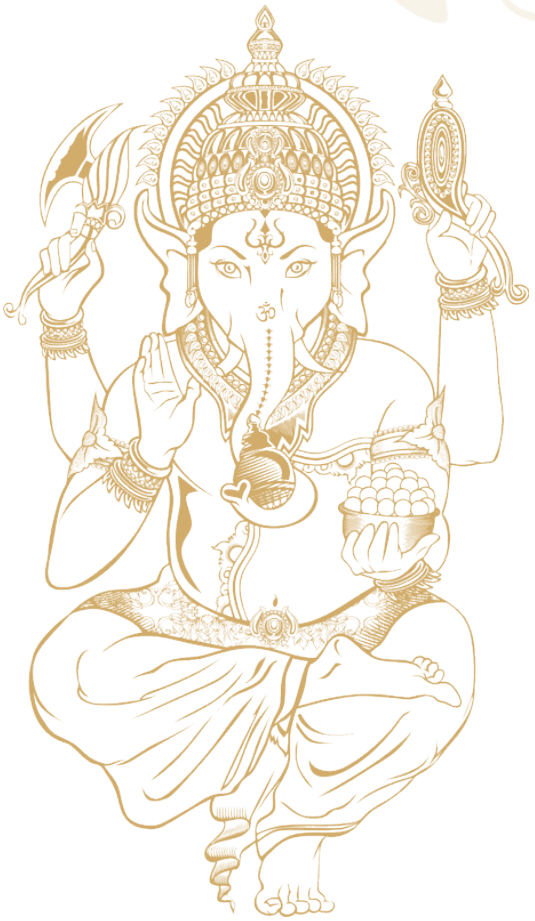

Ms.

01 Apr 2026

06:45 PM

Zurich

Model: web-freekundliweb

Order No: 121801202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	29:09:43 घटी
स्थान	**Zurich**
देश	Switzerland

अक्षांश	47:22:00 उत्तर
रेखांश	08:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:19:08 घंटे
वेलान्तर	-00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	05:59:22 घंटे
सूर्योदय	07:05:06 घंटे
सूर्यास्त	19:55:15 घंटे
दिनमान	12:50:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:44:21 मीन
लग्न के अंश	05:39:27 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:39:27	267:29:11	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मीन	17:44:21	00:59:11	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	13:09:14	12:40:35	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:26:18	00:46:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			कुंभ	20:04:30	00:52:56	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:36:06	00:04:02	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	08:16:31	01:13:51	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:24:33	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:30:15	00:03:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:30:15	00:03:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:33:57	00:02:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:00:17	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	11:00:07	00:00:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	05:37:46	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

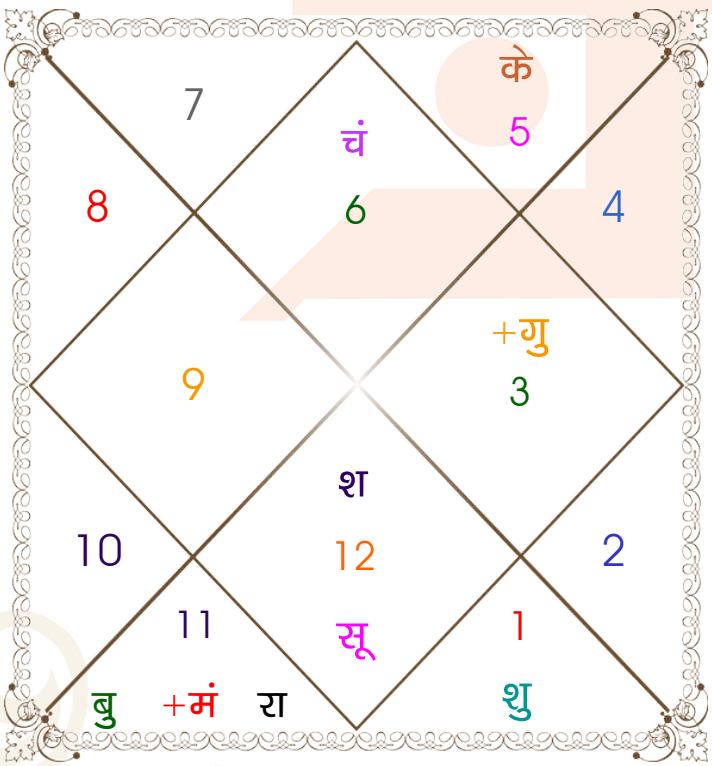

चन्द्र कुंडली

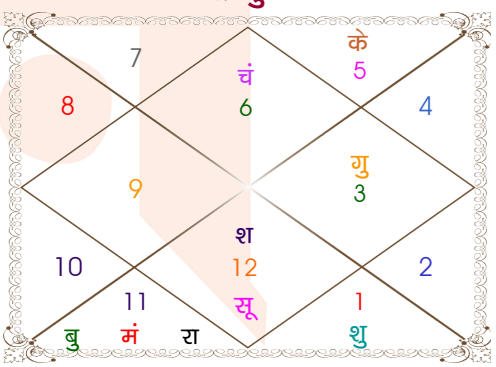

नवमांश कुंडली

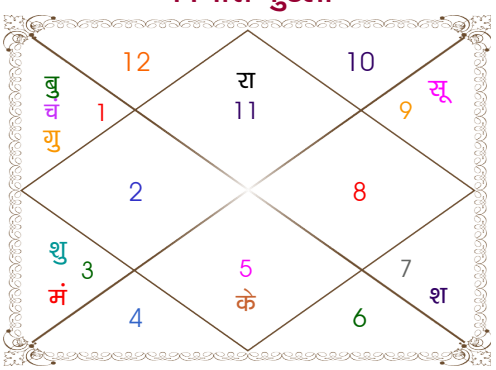

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 7 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/04/2026		19/11/2033		18/11/2040		19/11/2058		19/11/2074	
19/11/2033		18/11/2040		19/11/2058		19/11/2074		19/11/2093	
	00/00/0000	मंगल	17/04/2034	राहु	02/08/2043	गुरु	06/01/2061	शनि	22/11/2077
	01/04/2026	राहु	05/05/2035	गुरु	25/12/2045	शनि	20/07/2063	बुध	01/08/2080
राहु	20/10/2026	गुरु	10/04/2036	शनि	31/10/2048	बुध	25/10/2065	केतु	10/09/2081
गुरु	19/02/2028	शनि	20/05/2037	बुध	21/05/2051	केतु	01/10/2066	शुक्र	09/11/2084
शनि	19/09/2029	बुध	17/05/2038	केतु	07/06/2052	शुक्र	01/06/2069	सूर्य	22/10/2085
बुध	18/02/2031	केतु	13/10/2038	शुक्र	08/06/2055	सूर्य	20/03/2070	चंद्र	24/05/2087
केतु	19/09/2031	शुक्र	14/12/2039	सूर्य	02/05/2056	चंद्र	20/07/2071	मंगल	01/07/2088
शुक्र	20/05/2033	सूर्य	19/04/2040	चंद्र	31/10/2057	मंगल	25/06/2072	राहु	08/05/2091
सूर्य	19/11/2033	चंद्र	18/11/2040	मंगल	19/11/2058	राहु	19/11/2074	गुरु	19/11/2093

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/11/2093		20/11/2110		20/11/2117		20/11/2137		20/11/2143	
20/11/2110		20/11/2117		20/11/2137		20/11/2143		00/00/0000	
बुध	16/04/2096	केतु	18/04/2111	शुक्र	21/03/2121	सूर्य	09/03/2138	चंद्र	20/09/2144
केतु	14/04/2097	शुक्र	17/06/2112	सूर्य	21/03/2122	चंद्र	08/09/2138	मंगल	21/04/2145
शुक्र	12/02/2100	सूर्य	23/10/2112	चंद्र	20/11/2123	मंगल	14/01/2139	राहु	02/04/2146
सूर्य	20/12/2100	चंद्र	24/05/2113	मंगल	19/01/2125	राहु	09/12/2139		00/00/0000
चंद्र	21/05/2102	मंगल	20/10/2113	राहु	20/01/2128	गुरु	26/09/2140		00/00/0000
मंगल	19/05/2103	राहु	08/11/2114	गुरु	20/09/2130	शनि	08/09/2141		00/00/0000
राहु	05/12/2105	गुरु	15/10/2115	शनि	20/11/2133	बुध	15/07/2142		00/00/0000
गुरु	12/03/2108	शनि	23/11/2116	बुध	20/09/2136	केतु	20/11/2142		00/00/0000
शनि	20/11/2110	बुध	20/11/2117	केतु	20/11/2137	शुक्र	20/11/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।